एम.पी.पी.सी.एस. मुख्य परीक्षा-2020
सामान्य हिन्दी (पाँचवाँ प्रश्न-पत्र)
MPPCS Mains Paper-2020
General Hindi
(Question Paper-V)

M-2020/GS-V

सामान्य हिन्दी एवं व्याकरण
GENERAL HINDI AND GRAMMAR

पाँचवा प्रश्न-पत्र
FIFTH PAPER

प्रश्न: 1. इस प्रश्न में 25 लघुत्तरीय प्रश्न हैं, प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 20-25 शब्दों में देना है। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 03 (तीन) अंकों का है। $(25 \times 3 = 75)$

प्रश्न: (1.1) परिभाषिक शब्दावली का तात्पर्य क्या है?

प्रश्न: (1.2) उपमा अलंकार किसे कहते हैं?

प्रश्न: (1.3) संस्कृत आचार्य दंडी की अलंकार संबंधी परिभाषा को स्पष्ट कीजिये।

प्रश्न: (1.4) शब्दालंकार का तात्पर्य क्या है?

प्रश्न: (1.5) तद्भव शब्द किसे कहते हैं?

प्रश्न: (1.6) बहुव्रीहि समास किसे कहते हैं?

प्रश्न: (1.7) स्वर संधि की स्पष्ट कीजिये।

प्रश्न: (1.8) तत्सम शब्द का अर्थ क्या है?

प्रश्न: (1.9) पर्यायवाची शब्द किसे कहते हैं?

प्रश्न: (1.10) विराम चिह्नों से तात्पर्य क्या है?

प्रश्न: (1.11) संधि का अर्थ क्या है और उसके प्रकार कौन-से हैं?

प्रश्न: (1.12) द्वंद्व समास का अर्थ क्या है एवं उसके प्रकार कौन-से हैं?

प्रश्न: (1.13) कहावत किसे कहते हैं?

प्रश्न: (1.14) तत्सम और तद्भव शब्दों के अंतर को लिखिए।

प्रश्न: (1.15) व्यंजन संधि किसे कहते हैं?

प्रश्न: (1.16) पल्लवन का अभिप्राय क्या है?

प्रश्न: (1.17) संक्षेपण का तात्पर्य क्या है?

प्रश्न: (1.18) समास किसे कहते हैं?

प्रश्न: (1.19) पल्लवन लेखन की सामान्य विशेषताओं का उल्लेख कीजिये।

प्रश्न: (1.20) 'कर्मधारय समास' का तात्पर्य क्या हैं?

प्रश्न: (1.21) रूपक अलंकार का तात्पर्य क्या है?

प्रश्न: (1.22) विलोम शब्द किसे कहते हैं? सोदाहरण स्पष्ट कीजिये।

प्रश्न: (1.23) मुहावरा का तात्पर्य क्या है?

प्रश्न: (1.24) मुहावरें तथा लोकोक्तियों के अंतर को स्पष्ट कीजिये।

प्रश्न: (1.25) मुख्य आठ विराम चिह्नों का उल्लेख कीजिये।

प्रश्न: 2. प्रश्न अलंकारों से संबंधित है:

प्रश्न: 2.1 शब्दालंकार: -

प्रश्न: 2.1 (1) वर्णों अथवा व्यंजनों की समानता या पुनरावृत्ति जहाँ होती है वहाँ कौन-सा अलंकार होता है?

प्रश्न: 2.1 (2) लाटानुप्रास अलंकार किस प्रदेश से संबंधित माना जाता है?

प्रश्न: 2.1 (3) "तो पर बारों उरबसी, सुनु राधिके सुजान।
तू मोहन के उरबसी, है उरबसी समान।।" इन पंक्तियों में कौन-सा अलंकार है?

प्रश्न: 2.1 (4) जहाँ पर ऐसे शब्दों का प्रयोग होता हो जिनसे एक से अधिक अर्थ निकलते हों, वहाँ पर कौन-सा अलंकार होता है?

प्रश्न: 2.1 (5) अनुप्रास के कितने और कौन-से भेद हैं?

प्रश्न: 2.2 अर्थालंकार: -

प्रश्न: 2.2 (1) 'उपमा' यह किस प्रकार का अलंकार है?

प्रश्न: 2.2 (2) 'पीपर पात सरिस मन डोला' इस पंक्ति में प्रयुक्त शब्द 'डोलना' में उपमा का कौन-सा अंग है?

प्रश्न: 2.2 (3) "बीती विभावरी जागरी/अम्बर पनघट में डूबो रही ताराघट ऊषा नागरी।" इन पंक्तियों में रूपक का कौन-सा भेद है?

प्रश्न: 2.2 (4) उत्प्रेक्षा के प्रधान भेद कितने हैं?

प्रश्न: 2.2 (5) हेतुउत्प्रेक्षा अलंकार में 'हेतु' का सामान्य अर्थ क्या है?

प्रश्न: 3 वाक्यों का हिन्दी से अंग्रेज़ी एवं अंग्रेज़ी से हिन्दी में अनुवाद कीजिये।

प्रश्न: 3.1 निम्नलिखित वाक्यों का हिन्दी से अंग्रेज़ी में अनुवाद कीजिये: प्रत्येक प्रश्न 4 (चार) अंकों का है। **(5 × 4 = 20)**

प्रश्न: 3.1 (1) वहाँ एक ऐसी महिला रहती है जिसकी उम्र का तुम अंदाजा नहीं लगा सकते।

प्रश्न: 3.2 (1) अपनी पत्नी के जन्मदिवस पर मैंने उसे एक फर कोट भेंट किया जिसे पाकर वह फूली न समाई।

प्रश्न: 3.3 (1) इस तंग गली में तेजी से गाड़ी चलाना ठीक नहीं है।

प्रश्न: 3.4 (1) अब आँखें खोल कीजिये।

प्रश्न: 3.5 (1) भारत की विजय अवश्यंभावी है।

प्रश्न: 3.1 निम्नलिखित वाक्यों का अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद कीजिये: प्रत्येक प्रश्न 3 (तीन) अंकों का है।

(5 × 3 = 15)

प्रश्न: 3.2 (1) A Good teacher my not be a good author, and vice versa.

प्रश्न: 3.2 (2) He is the founder of this institution as well as it's director.

प्रश्न: 3.2 (3) By order, District Magistrate.

प्रश्न: 3.2 (4) Eligible for government Accommodation.

प्रश्न: 3.2 (5) It can safely be admitted that ....

प्रश्न: 4 इस प्रश्न में हिन्दी व्याकरण से संबंधित (संधि, समास, विराम, चिह्न इत्यादि) प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 02 (दो) अंकों का है। **(10 × 2 = 20)**

प्रश्न: 4.1 'भाई-बहन' यह किस समास का उदाहरण है?

प्रश्न: 4.2 'चंद्रमुखी' में कौन-सा समास है?

प्रश्न: 4.3 'कल्पांत' शब्द की स्वर संधि लिखिए।

प्रश्न: 4.4 'नि:संदेह' का संधि विच्छेद कीजिये।

प्रश्न: 4.5 'हस्तिदंत' का संधि विच्छेद कीजिये।

प्रश्न: 4.6 'दाल-भात' का संधि विच्छेद क्या है?

प्रश्न: 4.7 "मेरी भवबाधा हरो . . . । . . . श्याम हरित दुति होय" वाक्य में प्रयुक्त चिह्न कौन-सा है?

प्रश्न: 4.8 'आभ्यस्थ' का शुद्ध रूप लिखिए।

प्रश्न: 4.9 'बुढ़िया चरखा कातती है' वाक्य का शुद्ध रूप लिखिए।

प्रश्न: 4.10 निम्नलिखित वाक्य में सही चिह्नों का प्रयोग कर दुबारा लिखिए।

"भारत ने सहायता की बांग्लादेश आजाद हुआ दोनों देश गहरे मित्र बन गए।"

प्रश्न: 5 इस प्रश्न मे प्रारंभिक व्याकरण, शब्दावलियों से संबंधित निम्नलिखित 10 प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 02 (दो) अंकों का है। **(10 × 2 = 20)**

क्र.सं.	प्रश्न
1	'अभिरक्षा' का शाब्दिक शब्द अंग्रेजी में लिखिए।
2	'Statement' का शाब्दिक शब्द हिन्दी में लिखिए।
3	'आधा तीतर-आधा बटेर' का अर्थ क्या है?
4	'कृतज्ञ' का विलोम शब्द लिखिए।
5	'जिसमें चार पद हैं।' अनेक शब्दों के लिये एक शब्द बताइए।
6	'वत्य' का तद्भव रूप बताइए।
7	'अमृत' के तीन पर्यायवाची शब्द।
8	Endorsement को हिन्दी में लिखिए।
9	'विपणन' का शाब्दिक शब्द अंग्रेज़ी में लिखिए।
10	'Impost' का शाब्दिक शब्द हिन्दी में लिखिए।

प्रश्न: 6 निम्नलिखित में से किसी एक गद्यांश के आधार पर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए। अभ्यर्थी जिस गद्यांश का उत्तर लिख रहे हैं उसका स्पष्ट शीर्षक/क्रमांक का उल्लेख को। **(5 × 4 = 20)**

गद्यांश: साहित्य में मनुष्य के जीवन का प्रवाह प्रतिलक्षित होता है। साहित्य स्वयं इस प्रवाह और मनुष्य की क्रमश: विस्तारित होती हुई चेतना का परिणाम है। कई अर्थों में बह इस प्रवाह की दिशा और गति को भी प्रभावित करता है। साहित्य में निहित स्थितियों की व्याख्या और मूल्यांकन केवल सौंदर्य और रसानुभूति के क्षेत्र तक सीमित नहीं होते, उनका सामाजिक अर्थ और प्रभाव बड़ा व्यापक होता है। साहित्य मनुष्य की स्वयंचेतना और जीवन-चेतना में जन्म लेता है। भाषा और मानवीय चेतना के विकास में निकट का संबंध है।

(i) लेखक के अनुसार साहित्य वास्तब में क्या है?

(ii) साहित्य में निहित स्थितियों की व्याख्या और मूल्यांकन उसे किन कारणों से संकीर्ण बना देते हैं?

(iii) साहित्य किन अर्थों में प्रभावी और व्यापक होता है?

(iv) वस्तुत: साहित्व का निर्माण किसके भीतर होता है?

(v) उपर्युक्त गद्यांश में साहित्य के प्रति किस प्रकार के दृष्टिकोण की प्रधानता दिखाई देती है

अथवा

आज के सांस्कृतिक मानचित्र को देखिए। आधुनिकीकरण के प्रबल आग्रह के बावजूद जातीय स्मृतियाँ सशक्त ढंग से उभर रही हैं और नयी सांस्कृतिक चेतना परंपरा को विस्मृत करने के पक्ष में नहीं है। समाज का ढाँचा चरमरा रहा है। वैयक्तिकरण ने एक अजीब-सी दिशाहीनता की स्थिति: उत्पन्न की है, जिसमें निजी हित व्यापक सामाजिक हितों पर हावी हो गए हैं। जिस वैकल्पिक भविष्य की तलाश हम कर रहे है, उसमें मानव समाज के पुनर्गठन की योजना भी सम्मिलित है। इस नये समाज का आधार होगा। अर्थपूर्ण मानवीय संबंधों की पुन: स्थापना। यदि हमें औद्योगीकरण और महानगरीकरण की विकृतियों से बचना है और अमानवीकरण के उफान को रोकना है तो हमें उद्योगों का रूप बदलना होगा और साथ ही सामाजिक संबंधों का आधार भी।

(i) इस समय भारतीय समाज किस प्रकार के अंतर्द्वंद्व से गुजर रहा है?

(ii) 'समाज का ढाँचा चरमरा रहा है' ऐसा लेखक को क्यों लग रहा है?

(iii) अर्थपूर्ण मानवीय संबंधों की तलाश लेखक क्यों कर रहा है?

(iv) उद्योगों के रूप को लेखक क्यों बदलना चाहता है?

(v) लेखक के अनुसार नये समाज निर्मिति के लिए कौन-से परिवर्तन आवश्यक है?

प्रश्न: 7 रेखांकित अथवा दी गई पंक्तियों का पललवन अथवा भाव पल्लवन कीजिए : अध्यर्थी जिस प्रश्न का उत्तर दे रहे हैं उसका स्पष्ट उल्लेख उत्तर के प्रारंभ में अनिवार्यत: करें। प्रश्न 10 (दस) अंकों का है। **(1 × 10 = 10)**

प्रश्न: 7 प्रतिभा-श्रम और अभ्यास के तटों में बँधकर बहती है।

प्रतिभा और श्रम तथा अभ्यास का संबंध प्रतिभा बुद्धि है-कला - विज्ञान का कारण - मूल्यों की स्थापना - आदि करना है।

अथवा

नर और नारी जन्मते हैं और मरते हैं किन्तु राष्ट्र सदैव अमर रहता है।

प्रश्न: 8 किसी एक गद्यांश का एक तिहाई शब्दों में संक्षेपण कीजिए : अभ्यर्थी जिस गद्यांश का संक्षेपण कर रहे है उसका स्पष्ट उल्लेख उत्तर के प्रारंभ में अगिवार्यत: करें। प्रश्न 10 (दस) अंकों का है। (1 × 10 = 10)

प्रश्न: 8 अन्तर्राष्ट्रीय बाज़ार में भारतीय उद्योग, विदेशी उद्योगों से टक्कर लेने की क्षमता कैसे पैदा करें? यह एक बहुत बड़ी चुनौती है। शुरू-शुरू में देश के अर्थ-तंत्र में मूल क्षेत्रों के उद्योगों की स्थापना में सरकार न मुख्य उद्यमी की महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। राष्ट्रहित में आधारभूत उद्योगों की आवश्यकता को समझते हुए बहुत से उद्योगों को अनेक प्रकार से संरक्षण प्रदान किया और देश-विदेश प्रतिद्वंद्वी उद्योगों द्वारा मुकाबले की चोट से बचाने की हरचंद कोशिश की गयी। पिछले तीन दशकों में कुछ महत्त्वपूर्ण तर में कई उद्योगों ने काफी उन्नित की है । इलेक्ट्रानिक्स एवं बायोटेकनोलॉजी आदि क्षेत्र में नव्यतम उद्योगों के आगमन पर नजर दौड़ाई जाये तो पट की विकास यात्रा से प्रभावित हुए बिना नहीं रहा जाता है।

अथवा

साम्प्रदायिक सद्भाव और सौहार्द बनाए रखने के लिये हमें हमेशा याद रखना चाहिए कि प्रेम से प्रेम और विश्वास से विश्वास उत्पन्न होता है। और यह भी नहीं भूलना चाहिए कि घृणा से घृणा का जन्म होता है जो दावाग्नि की तरह सबको जलाने का काम करती है। महात्मा गाँधी घृणा को प्रेम से जीतने में विश्वास: करते थे। उन्होंने सर्वधर्म समभाव द्वारा साम्प्रदायिक घृणा को मिटाने का आजीवन प्रयत्न किया। सभी धर्म आत्मा के शांति के लिये। भिन्न-भिन्न उपाय और साधन बनाते हैं। धर्मों मे छोटे-बड़े का कोई भेद नहीं है। सभी धर्म सत्य, प्रेम, समता, सदाचार और नैतिकता पर बल देते हैं। इसलिए धर्म के मूल मे पार्थक्य भेद नहीं है।